

प्रेषक,

सुबर्द्धन
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
सूचना एवं लोक संपर्क विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

सूचना अनुयाग

देहरादून : दिनांक 10 जून, 2011

विषय:- वित्तीय वर्ष 2011-12 की वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या-173/XXII/2011-3(2)2011, दिनांक 05 मई, 2011 का सन्दर्भ ग्रहण करें, जिसके द्वारा अनुदान संख्या-14 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2220 सूचना तथा प्रचार के आयोजनेत्तर पक्ष हेतु रू० 31011.75 हजार (रुपये तीन करोड दस लाख ग्यारह हजार सात सौ पचास मात्र) की धनराशि आपके निवर्तन पर व्यय किये जाने हेतु रखी गई थी। इस संबंध में आपके पत्र संख्या-999/सू.एवं.लो.स.वि./लेखा/2011, दिनांक 10 जून, 2011 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून हेतु वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या-14 के लेखाशीर्षक-2220-सूचना तथा प्रचार के आयोजनेत्तर पक्ष में अवशेष प्राविधानित धनराशि में से रू० 7362.50 हजार (रुपये तिहत्तर लाख बासठ हजार पांच सौ मात्र) की धनराशि निम्न विवरणानुसार व्यय करने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि रू० हजार में)

लेखाशीर्षक/उपलेखाशीर्षक	मानक मद	स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	2	3
2220-सूचना तथा प्रसार	08-कार्यालय व्यय	650.00
60-अन्य	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	150.00
001-निदेशन तथा प्रशासन	22-आतिथ्य व्यय विषयक भत्ता आदि	2300.00
03-अधिष्ठान व्यय	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	150.00
	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्संबंधी स्टेशनरी का क्रय	100.00
	योग	3350.00
2220-सूचना तथा प्रसार	08-कार्यालय व्यय	262.50
60-अन्य	18-प्रकाशन	2625.00
110-प्रकाशन		
03-अधिष्ठान		
	योग	2887.50
2220-सूचना तथा प्रसार	42-अन्य व्यय	1125.00
60-अन्य		
800-अन्य व्यय		
07-प्रदेश मीडिया सलाहकार समिति का गठन		
	योग	1125.00
	महायोग	7362.50

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसी व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय दस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारियों की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये।

3- धनराशि उसी मद में व्यय किया जाये जिसके लिये स्वीकृत की जा रही हो। व्यय में मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों एवं उक्त शासनादेश दिनांक 30 मार्च, 2011 में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय एवं वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत धनराशि के व्यय विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।

4- वित्तीय वर्ष 2011-12 में इसके पूर्ववर्ती वर्षों के एरियर भुगतान यदि कोई हो तो उसके विवरण की सूचना विभाग द्वारा अलग से रखी जायेगी।

5- इस सम्वन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या-14 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-2220-सूचना तथा प्रचार के आयोजनेत्तर पक्ष के अंतर्गत उपर्युक्त तालिका में इंगित लेखाशीर्षकों/मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

6- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ.शा. पत्र सं.-44/NP/XXVII (5)/ 2010 दिनांक 10 जून, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(सुबर्द्धन)

अपर सचिव।

प्रसंख्या- 252 (1)/XXII/2011-3(2)2011, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- एन.आई.सी., सचिवालय परिसर।
- 7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(सुबर्द्धन)

अपर सचिव।

क्र.सं.	विवरण	प्रमाण
00.029	प्रमाण-30	प्रमाण-30
00.031	प्रमाण-31	प्रमाण-31
00.032	प्रमाण-32	प्रमाण-32
00.033	प्रमाण-33	प्रमाण-33
00.034	प्रमाण-34	प्रमाण-34
00.035	प्रमाण-35	प्रमाण-35
00.036	प्रमाण-36	प्रमाण-36
00.037	प्रमाण-37	प्रमाण-37
00.038	प्रमाण-38	प्रमाण-38
00.039	प्रमाण-39	प्रमाण-39
00.040	प्रमाण-40	प्रमाण-40
00.041	प्रमाण-41	प्रमाण-41
00.042	प्रमाण-42	प्रमाण-42
00.043	प्रमाण-43	प्रमाण-43
00.044	प्रमाण-44	प्रमाण-44
00.045	प्रमाण-45	प्रमाण-45
00.046	प्रमाण-46	प्रमाण-46
00.047	प्रमाण-47	प्रमाण-47
00.048	प्रमाण-48	प्रमाण-48
00.049	प्रमाण-49	प्रमाण-49
00.050	प्रमाण-50	प्रमाण-50